Shikshan Sanshodhan : Journal of Arts, Humanities and Social Sciences
Monthly, Peer-Reviewed, Refereed, Indexed Journal
Volume - 6, Issue - 8, August - 2023
ISSN(o): 2581-6241
Impact Factor: 6.471
Publication Date: 15/08/2023

DOIs:10.2018/SS/202308009 --:-- Research Paper / Article / Review

“हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सीएसआर कार्यक्रमों/गतिविधियों से दक्षिण राजस्थान का बदलता परिदृश्य”

[1] **Sanga Ram Suthar,** [2] **Prof. C R Suthar**
Research Scholar, Department of Public Administration, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur (Raj.)
Supervisor, Department of Public Administration, Mohanlal Sukhadia University, Udaipur (Raj.)
Email- suthursanga1993@gmail.com

सारांश (Abstract): भारत में जस्ता-सीसा उत्पादन के क्षेत्र में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड कंपनी का नाम सर्वोपरि हैं। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड एक ऐसी कंपनी है, जिसके उत्पादों का व्यवसायिक, घरेलू उपभोग, सामरिक इस्पात उद्योग और विद्युत उपकरणों के स्थानीय एवं वैश्विक स्तर पर महत्व हैं। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड कंपनी जस्ता उत्पादन में देश में प्रथम एवं विश्व में दूसरे स्थान पर हैं। वही सीसा उत्पादन में 800 मिट्रिक टन की वार्षिक उत्पादन क्षमता के साथ विश्व में पांचवें स्थान पर हैं।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड का ध्येय "हमें अपने पूर्वजों से विरासत के रूप में पृथ्वी नहीं मिली हैं, हम इसे हमारे बच्चों से उधार लेते हैं।"[1]

प्रस्तुत शोध आलेख में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड कंपनी के सीएसआर गतिविधियों का समाज में सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यावरण आदि के विकास के संदर्भ में योगदान को इंगित किया गया है। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सीएसआर कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण वित्तीय वर्ष 2021-22 के अनुसार किया गया है। कंपनी अधिनियम 2013 के बाद वित्तीय वर्ष 2014 से 2022 तक हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सीएसआर खर्च का विवरण किया गया है।

मुख्य बिन्दु: हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड का परिचय, सीएसआर अवधारणा, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सीएसआर कार्यक्रम।

1. प्रस्तावना :

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड एक परिचयात्मक अवलोकन :

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड का प्रारंभिक जीवन 1940 के दशक से शुरू होता है। द्वितीय विश्व युद्ध प्रारंभ होने से पूर्व भारत के उत्तर पश्चिम में स्थित राजस्थान राज्य के दक्षिण में जावर नामक स्थान पर **'मेवाड़ मिनरल कॉरपोरेशन'** जस्ता-सीसा खनन कार्य कर रहा था। तत्पश्चात द्वितीय विश्वयुद्ध की सामरिक आवश्यकता एवं मांगों ने जस्तासीसा खनन कार्य को बढ़ावा दिया-। इस दिशा में 'मेवाड़ मिनिरल कॉरपोरेशन' के स्थान पर 1944 में कोलकाता की एक निजी कंपनी **'मेटल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया'** (MCI) ने जस्ता एवं सीसा क्षेत्र में खनन कार्य करना प्रारंभ किया।

10 जनवरी, 1966 को भारत सरकार ने इस्पात एवं खान मंत्रालय के अंतर्गत एक सार्वजनिक उपक्रम के रूप में अधिग्रहित कर हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के नाम से स्थापित किया।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के इतिहास में 1990 के दशक में पुनः परिवर्तन आता है भारत सरकार ने 1991 में एक नई आर्थिक नीति की घोषणा की, जो मुख्यत: एलपीजी वैश्वीकरण, उदारीकरण, निजीकरण पर आधारित थी। इस एलपीजी नीति एवं भारत की आर्थिक मंदी ने हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सार्वजनिक उपक्रम के रूप में होने पर भारत सरकार को पुनः कोई निर्णय लेने हेतु बाध्य किया।

सन् 2001 में भारत सरकार के विनिवेश नीति के तहत घाटे में चल रहे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड कंपनी को बिक्री के लिए रखा गया।

अप्रैल, 2002 में स्टरलाइट अपॉर्चुनिटी एंड वेंचर्स लिमिटेड (SOVL) में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड कंपनी के शेयरों का अधिग्रहण कर लिया।

अगस्त, 2003 तक SOVL की हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड कंपनी में 64.92 प्रतिशत हिस्सेदारी हो गई। शेष 35.08% हिस्सेदारी जनता की है, जिसमें 29.54% हिस्सेदारी सरकार की हैं

अप्रैल 2011 में SOVL का स्टरलाइट इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड (SIIL) के साथ विलय हो गया।

अगस्त, 2013 में सेसा स्टरलाइट लिमिटेड बनाने के लिए एसआईआईएल (SIIL) का सेसा गोवा लिमिटेड के साथ विलय हो गया।

अप्रैल 2015 में सेसा स्टरलाइट का नाम बदलकर वेदांत लिमिटेड कर दिया गया। इस प्रकार हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड कंपनी वेदांत लिमिटेड की प्रत्यक्ष सहायक कंपनी है। तथा हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड कंपनी बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध हैं।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड का वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल खनन विकास क्षेत्र -107.30 किलोमीटर, कुल धातु खनन 1017 किलो टन (Kt), कुल धातु खनन में से जिंक धातु खनन 801 किलो टन (Kt) और सीसा धातु खनन 216 किलो टन (Kt) है।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड कंपनी की 5 खनन इकाइयां हैं, जिनका कुल अयस्क उत्पादन 16.34 मिलियन टन (Mt) और तीन स्मेल्टर हैं, जिनका कुल धातु क्षमता 1.123 मिलियन टन (Mt) हैं। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड कंपनी का विद्युत शक्ति क्षेत्र में कुल कैपटिव क्षमता 586.59 मेगावाट (MW) हैं।

क्र सं	खनन ईकाइयां	अयस्क खनन (2021-22) टन (Kt) में	जिंक धातु खनन (2021-22) टन (Kt) में	सीसा धातु खनन (2021-22) टन (Kt) में
1	रामपुरा-आगूचा खनन (RAM), भीलवाड़ा (राज.)	4,511	455	46
2	सिंदेसर खुर्द खनन (SKM), राजसमंद (राज.)	5,230	166	97
3	राजपुरा-दरीबा खनन (RDM), राजसमंद (राज.)	1,252	41	7
4	जावर खनन (ZM), उदयपुर (राज.)	4,411	100	61
5	कयाद खनन (KM), अजमेर (राज.)	934	40	5
	कुल	16,339	801	216

क्र सं	स्मेल्टरस कुल धातु क्षमता – 1.123 मिलियन टन (Mt)	पाइरोमेटलर्जिकल जिंक स्मेल्टर TPA	पाइरोमेटलर्जिकल सीसा स्मेल्टर TPA	हाइड्रोमेटालर्जिकल जिंक स्मेल्टर TPA	हाइड्रोमेटालर्जिकल सीसा स्मेल्टर TPA
1	चंदेरिया जस्ता-सीसा स्मेल्टर (CZLS) (चितोड़गढ़, राज.)	1,05,000	90,000	4,80,000	–
2	दरीबा स्मेल्टिंग कोम्पलेक्स (DSC) (राजसमंद, राज.)	–	–	2,40,000	1,20,000
3	देबारी जिंक स्मेल्टर (DZS) (उदयपुर, राज.)	–	–	88,000	–

2. साहित्य की समीक्षा (Review of literature) :

डॉ संध्या पठानिया एवं डॉ नीलम बागेश्वरी द्वारा प्रस्तुत शोध आलेख **'हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड एक भौगोलिक परिदृश्य' (2015)** में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के खनन गतिविधियों से पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव एवं समस्याओं का अध्ययन किया है।[4]

3. उद्देश्य (Objects) :

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सीएसआर कार्यक्रमों के दक्षिण राजस्थान के लोगों के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक विकास में योगदान को जानना।

4. शोध अध्ययन पद्धति (Research methodology) :

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा-135 के अनिवार्य सीएसआर की अवधारणा के पश्चात हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सीएसआर कार्यक्रमों या गतिविधियों का दक्षिण राजस्थान के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका हैं। यही शोध आलेख का विषय हैं। इस कार्य को पूर्ण करने हेतु द्वितीयक आंकड़ों का संग्रहण किया गया। द्वितीयक आंकड़ों के संग्रहण मुख्यत: प्रकाशित प्रलेखों यथा- आयोग एवं समितियों के प्रलेख, निजी क्षेत्र के प्रलेख, पत्र-पत्रिकाओं, इंटरनेट, वेबसाइट आदि तरीके से किया गया है।

5. विश्लेषण (Analysis) :

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा-135 के तहत सीएसआर अवधारणा का उदय होता है। सीएसआर से अभिप्राय कंपनियों/निगमों/उद्यमों का समाज के प्रति उत्तरदाई रहना हैं। लेकिन कंपनियों/निगमों/उद्यमों के इस नैतिक उत्तरदायित्व को कंपनी अधिनियम 2013 की धारा-135 के तहत कानूनी बाध्यता के रूप में बना दिया। धारा-135 के तहत कंपनी/निगम/उद्यम -

- कंपनी की निवल संपत्ति 500 करोड़ रुपए या उससे अधिक हो या,
- कंपनी का कारोबार 1000 करोड़ रुपए या उससे अधिक का हो या,
- कंपनी का शुद्ध लाभ ₹50000000 या उससे अधिक का हो

निम्न शर्तों में से किसी एक शर्त को पूरा करने वाली कंपनी/निगम/उद्यम को पूर्ववर्ती तीन वित्तीय वर्ष के औसत शुभ लाभ का 2% राशि अनुसूची-7 में वर्णित विषयों पर सीएसआर के रूप में खर्च करना अनिवार्य होता है।

दक्षिण राजस्थान में स्थित हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड कंपनी के सीएसआर गतिविधियों से आमजन के कल्याण और क्षेत्रीय विकास की दशा एवं दिशा बदली हैं। हालांकि दक्षिण राजस्थान के 5 जिलों यथा- उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा और अजमेर में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड कंपनी द्वारा सीएसआर गतिविधियों या कार्यक्रमों को संचालित किया जाता है। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सीएसआर कार्यक्रम सामान्यतः सात विषयगत क्षेत्रों में संचालित होते हैं। जो निम्न है- शिक्षा, सतत आजीविका, सामुदायिक संपत्ति निर्माण, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, स्वच्छता और जल, खेल और संस्कृति।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड कंपनी के सीएसआर कार्यक्रम-

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सीएसआर कार्यक्रमों का क्रियान्वयन निम्न 7 विषयगत क्षेत्रों में होता है। सभी सीएसआर कार्यक्रमों का विवरण वित्तीय वर्ष 2021-22 के अनुसार हैं।

A शिक्षा -

1) खुशी : नंदघर (आंगनवाड़ी कार्यक्रम)

इस कार्यक्रम का मुख्यत: उद्देश्य राजस्थान के 5 जिलों में 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों को स्वास्थ्य युक्त पोषण को उपलब्ध कराना। साथ ही इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकार की एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है। राजस्थान के 5 जिलों में 314 नंद घरों सहित 3145 आंगनबाड़ियों में स्वास्थ्य और पोषण 0-6 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों को लाभ दिया जा रहा है। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने कोविड-19 के दौरान कई सारे कदम उठाए थे। कोविड-19 के दौरान प्री स्कूल शिक्षा को निरंतर बनाए रखने हेतु वीडियोस और कंटेंट व्हाट्सएप ग्रुप में उपलब्ध करवाएं गए। 3145 आंगनबाड़ियों की 27510 सदस्यों की भरण-पोषण समितियां बनी हुई है, जो 81% हैं और 8068 किचन गार्डन की स्थापना की है। तथा 3.29 करोङ रुपए से अधिक का लाभ सरकार या समुदाय ने उठाया।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड कंपनी की इस कार्यक्रम का समुदाय में प्रभाव भी देखने "(आंगनवाड़ी कार्यक्रम) नंद घर -खुशी" को मिला। लगभग29,075 माताएँ और 1,90,000 से अधिक 0 से 6 आयु वर्ग के बच्चों को इस कार्यक्रम से लाभ मिला 2,069 बच्चों को गंभीर तीव्र कुपोषण)SAM) मध्यम तीव्र कुपोषण)MAM) की श्रेणियों से कठोर प्रयासों के माध्यम से लगभग 840 बच्चों को बाहर निकाला गया। कोविड-19 के दौरान 2500 से अधिक व्हाट्सएप ग्रुप का सृजन किया गया। जिसके माध्यम से 660 ई-लर्निंग वीडियोस को सीखने की प्रक्रिया को सतत बनाए रखने के उद्‍्देश्य से शेयर किए गए।[5]

2) ऊंची उड़ान कार्यक्रम

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के इस कार्यक्रम का मुख्यतउद्देश्य हिंदुस्तान जिंक के आसपास के क्षेत्रों में युवा प्रतिभाओं को इंजीनियरिंग संस्थान सहित आईआईटी और अन्य प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश के लिए तैयार करना। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में बैच-3 के 22 विद्यार्थियों ने जेईई एडवांस का पेपर लिखा। और 133 छात्रों के 4 बैचेज में इंजीनियरिंग कोचिंग क्लासेस चल रही है। बेच- 3, 4, 5 और छठे बेच को कठोर शैक्षणिक और इंजीनियरिंग सहायता दी गई हैं।

परिणाम स्वरूप सो 100 प्रतिशत विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश मेला। कुल 4 बैच में से 3 बैच वित्तीय वर्ष 2021-22 में पास हुए। एक विद्यार्थी का आईआईटी मद्रास में चयन हुआ। एक छात्र का एनआईटी और 17 छात्रों का सरकारी कॉलेज में चयन हुआ। इस प्रकार 86.36 प्रतिशत छात्रों ने सरकारी कॉलेजों में प्रवेश लिया है।

3) शिक्षासंबल कार्यक्रम (SSB)

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के शिक्षासंबल कार्यक्रम के क्रियान्वयन का उद्देश्य ग्रामीण छात्रों के बीच वैचारिक ज्ञान को मजबूत करना है। और उनके सीखने के स्तर में सुधार लाना है। इस कार्यक्रम को वित्तीय वर्ष 2021-22 के अनुसार 64 सरकारी माध्यमिक स्कूलों को और वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों के माध्यम से कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए संचालित किया जा रहा है। सामान्यतः कार्यक्रम का आयोजन अलग-अलग समय और उद्देश्य अनुसार किया जाता है। जैसे- शीतकालीन कैंप का आयोजन सप्ताह भर के लिए 64 सरकारी विद्यालयों के लक्षित बोर्ड के विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री, डेस्क वर्क आदि उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया जाता है। समय-समय पर हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा उच्च शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कैरियर काउंसलिंग का आयोजन किया जाता है। इस वित्तीय वर्ष 2021-22 में 9 कैरियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया था।

शिक्षा संबल कार्यक्रम का प्रभाव या परिणाम इस प्रकार रहा -

- कक्षा 6 से 12 तक के 13000 विद्यार्थियों ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त की।

- 107% नियमित और 91% ऑनलाइन क्लासों को संचालित किया गया।

- कक्षा 10 और 12 के लगभग 1700 विद्यार्थी इस कार्यक्रम के सहभागी बने।

- 66 सरकारी स्कूलों में कक्षा दसवीं और बारहवीं के 4400 से अधिक छात्रों ने परीक्षा उन्मुख तैयारी के साथ में 20 दिनों के लिए सीखने के शिविरों और अन्य मामलों में भाग लिया। (वित्तीय वर्ष2022-23 के अनुसार)

- कक्षा 6 से दसवीं के लिए बेसलाइन आकलन आयोजित किए गए।[6]

4) जीवन तरंग कार्यक्रम

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड का विकलांग या दिव्यांगजन छात्रों को उनकी शैक्षिक आवश्यकताओं को "जीवन तरंग कार्यक्रम" पूरा करने और परिवार का सशक्त सदस्य बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। विकलांग छात्रों को प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध करवाकर सीखने के परिणाम को बेहतर करना है। प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप ने विकलांग छात्रों के लिए एक वरदान के रूप में कार्य किया है। इस कार्यक्रम के तहत श्रवण बाधित छात्रों के लिए प्राथमिक कक्षाओं में 'पर्यावरण अध्ययन' का परिचय कराया। दृष्टिबाधित छात्रों के लिए शिक्षण में स्वयं सीखने के लिए एक सॉफ्टवेयर बनाया गया।

इस कार्यक्रम के परिणाम एवं प्रभाव निम्न है -

- इस कार्यक्रम ने 600 बच्चों और 29 शिक्षकों के जीवन को ऑनलाइन कक्षाओं और क्षमता निर्माण के माध्यम से प्रभावित किया है।

- लगभग 100 से अधिक छात्र 'पर्यावरण अध्ययन' के सहभाग बने।

- 40 दृष्टिबाधित छात्रों का स्वयं पेस्ट लर्निंग सॉफ्टवेयर से परिचय हुआ।[7]

5) उच्च शिक्षा में सहयोग

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा लड़कियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा तक लड़कियों की पहुंच को सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न सीएसआर कार्यक्रमों के माध्यम से सहयोग किया जा रह हैं। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा संचालित कार्यक्रम लड़कियों को पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने और पारिवारिक आय में समान योगदान देने का विश्वास उत्पन्न करते हैं।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की लड़कीयों को उनकी योग्यता और सीखने की क्षमता के आधार पर चयन जाता है। और आगे इन लड़कियों को वेदांता पीजी गर्ल्स कॉलेज, रींगस में उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु भेजा जाता है, जहां पर 3 वर्ष तक स्नातक कोर्स पूरा करती हैं। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 24 गांवों की कुल 51 लड़कियों ने विज्ञान और कला में स्नातक

कोर्स के लिए प्रवेश लिया है। 70 लड़कियां पहले से ही सेकंड ईयर और थर्ड ईयर में शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। वेदांता पीजी गर्ल्स कॉलेज, रींगस की दो लड़कियों को सीएम स्कॉलरशिप के तहत दोपहिया वाहन मिला।[8]

B सतत आजीविका -

1) समाधान कार्यक्रम

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में चिन्हित परिवारों को एकीकृत खेती प्रणाली उपलब्ध करवाकर और गांवों में पशुधन विकास के माध्यम से सतत आजीविका को सुनिश्चित करना है। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा कंपनी अधिनियम 2013 के तहत 5 किसान उत्पादक कंपनियों का समावेश किया गया। जिसका उद्देश्य व्यापार मूल्य श्रृंखला को बढ़ावा देना, संभावित वस्तुओं को बढ़ावा देना और कृषि अवसंरचना विकास को सुनिश्चित करना है। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय के साथ ज्ञान प्राप्ति की भागीदारी की हैं। ताकि कृषि विशेषज्ञों का ज्ञान कृषि उत्पादन को बेहतर बनाने में प्राप्त हो सके। भीलवाड़ा जिले के 20 से अधिक गांवों में क्रमबद वीर्य गर्भाधान के माध्यम से उन्नत पशुओं को बढ़ावा देने हेतु हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने 'राज्य भीलवाड़ा डेयरी' के साथ साझेदारी की हैं। वित्तीय वर्ष 2021-22 में 180 पशु स्वास्थ्य केंद्र लगाएं, जिसमें 78000 से अधिक पशु लाभान्वित हुए। एक पायलट योजना के तहत आवारा पशुओं की सुरक्षा के लिए 1000 पशुओं को रिफ्लेक्टिव बैंड के रूप में बांधा गया। साथ ही साथ कुकुटपालन की शुरुआत की गई ।

इस कार्यक्रम के परिणाम प्रभाव -

- 5 जिलों में 30000 किसानों को लाभ पहुंचाया।

- प्रत्येक पंजीकृत कंपनी में बोर्ड सदस्य के रूप में कम से कम 2 महिला सदस्य किसानों की भागीदारी को सुनिश्चित किया।

- कृषि हस्तक्षेप के माध्यम से 20,000 एकड़ से अधिक भूमि क्षेत्र को घेरा है।

- संपत्ति मूल्य के कुल 37 करोड़ के साथ 7,555 मादा बछड़ों का जन्म, 1000 से अधिक बकरी एआई से (कृत्रिम ज्ञान), 6000 साॅर्ट वीर्य एआई और(कृत्रिम ज्ञान)32,000 से अधिक पारंपरिक एआई किए गए। (कृत्रिम ज्ञान)

- दूध उत्पादन में 33% वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2021-22 में दूध बेचकर ₹26 लाख का लाभ हुआ। इस आधार पर ₹19,000 औसत आय प्रति किसान दूध उपज से बढ़ जाती हैं।

- प्रताप धन और कड़कनाथ नस्ल के 600 चूजों के साथ जावर क्लसटर में 12 कुक्कुट फार्म स्थापित किए गए।[9]

2) जिंक कौशल कार्यक्रम

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने अपने आसपास के परिचालन क्षेत्रों के समुदाय में वंचित परिवारों के युवाओं के लिए स्थाई आजीविका के अवसर उपलब्ध करवाना, जिसमें एक स्वस्थ व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हो सके। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा 15 व्यापारिक केंद्रों यथा- जनरल ड्यूटी असिस्टेंट, निहत्थे सुरक्षा गार्ड, सूक्ष्म वित्त कार्यकारी, घरेलू इलेक्ट्रीशियन, डाटा एंट्री ऑपरेटर, खुदरा बिक्री कार्यकारी और बीपीओ बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंगआदि पर युवाओं को कौशल प्रदान किया गया।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 में जिंक कौशल कार्यक्रम के तहत लिए गए कदम

- हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के चार प्रशिक्षण केंद्रों ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रशिक्षण और प्लेसमेंट देना निरंतर जारी रखा। 3 नए केंद्रों की स्थापना की गई। इस प्रकार हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के जिंक कौशल केंद्रों की संख्या 7 हैं।

- राज्य से बाहर प्लेसमेंट के लिए बड़े ब्रांडस को शामिल कर प्लेसमेंट पुल को मजबूत किया गया। कुछ प्रमुख प्लेसमेंट कंपनियां- पैंटालून, एयरटेल, सत्य माइक्रोफाइनेंस लिमिटेड, मुथूट फाइनेंस, ट्रेडस, डोमिनोज, लेंसकार्ट, एचडीएफसी बैंक, मारुति सुजुकी आदि।

- समयसमय पर नेतृत्व सत्र का आयोजन किया गया। (हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के नेतृत्व सत्र सहित)

- जन जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण दिनों का उत्सवविश्व युवा कौशल दिवस -अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस, राष्ट्रीय युवा दिवस, विश्व जल दिवस आदि।

- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर राजस्थान सरकार के महिला एवं चाइल्ड विकास विभाग के तत्वाधान में माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड कंपनी को जिंक कौशल कार्यक्रम के लिएइंदिरा महिला शक्ति प्रोत्साहन आवाम सम्मान पुरस्कार दिया गया।

- ग्रामीण युवाओं को सरकारी प्रतियोगी परीक्षा के लिए दरीबा, आगूचा और चंदेरिया में कोचिंग प्रदान की है।

- जिंक कौशल कार्यक्रम से 1488 युवा प्रशिक्षित हुए।

- 1117 युवा स्व उद्यमी बन गए या कहीं प्लेसमेंट हुए।

- महिला भागीदारी 35% है।

- प्रत्येक विद्यार्थी को प्रति महीना औसत 11,500 वेतन मिलता है।

- सरकारी परीक्षा के लिए 300 ग्रामीण युवाओं को कोचिंग क्लासेज दी गई।[10]

C महिला सशक्तिकरण

1) सखी कार्यक्रम)

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा क्रियान्वित 'सखी कार्यक्रम' का महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं। ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूह में संगठित कर जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाया जाता है।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 में सखी कार्यक्रम के तहत महिला सशक्तिकरण हेतु किए गए कार्य-

- कानूनी संस्थाओं के रूप में 7 महिलाओं के नेतृत्व में स्थाई संघों की स्थापना की है।

- लैंगिक समानता के लिए अभियान **'उथोरी'** एकजुटता आंदोलन से लैंगिक समानता का संदेश दिया।

- लैंगिक समानता को हासिल करने के लिए 'जेंडर सखी' नाम से प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जेंडर सखी एक संवर्ग, जिसमें स्वयं सहायता समूह सदस्य और समुदाय के लोगों में जागरूकता पैदा करने की अपेक्षा की जाती हैं। इस पहल का उद्देश्य लैंगिक समानता के बारे में महिलाओं, पुरुषों और युवाओं को शिक्षित करना है।

- महिलाओं में मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के संबंध में जागरूकता को बढ़ावा देना।

- सखी के माध्यम से मास्क उत्पादन करना।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के इस कार्यक्रम का परिणाम या प्रभाव -

- 7 जिलों में 2,248 **सेल्फ हेल्प ग्रुप्स** है, जिसमें 27,517 महिला सदस्य हैं।

- **'जेंडर सखी'** के तहत लगभग 107 सखी प्रशिक्षित हुई हैं।

- उथोरी कार्यक्रम के तहत 15,000 सखी महिलाओं के सक्रिय भागीदारी से कुल 127 सम्मेलनों का आयोजन किया गया।

- आईआईएम लखनऊ के माध्यम से हर सप्ताह में 2 दिन का प्रशिक्षण होता था। जहाँ लगभग 96 महिलाओं ने एक सफल उद्यमी बनने के लिए कौशल सीखा और विकसित किया।

- सामूहिक बचत -14.28 करोड़ रुपए।

- सृजित ऋण 53.26 करोड़ रुपए।

- 700 महिला नेताओं को तैयार किया।

- 53 हजार से अधिक कृषि और पशुपालन ऋण दिया गया।

- मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के संबंध में 100 प्रतिशत जागरूकता और लगभग 4000 से अधिक इस योजना के तहत लाभार्थी हैं। और 5000 सखी महिलाएं इस योजना में पंजीकृत हैं।

- हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के उत्पादन केंद्रों पर 1.3 लाख मास्क सीले गए।[11]

2) सूक्ष्म उद्योग महिला सशक्तिकरण

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा 'सखी कार्यक्रम' के तहत ही महिलाओं के आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के उद्देश्य से स्थानीय सूक्ष्म उद्योगों को बढ़ावा दिया गया। सखी पहल के तहत ही **'सखी उत्पादन समिति'** एक सामाजिक उद्यम हैं। इसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आय के स्थाई स्रोत प्रदान करके उन्हें सक्षम बनाना है।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 में सूक्ष्म उद्योग क्षेत्र में महिलाओं के संदर्भ में निम्न कदम लिए हैं -

- 250 महिला सदस्यों के 11 सूक्ष्म उद्योग हैं। जैसेमसालों और टेक्सटाइल उत्पादन के लिए चित्तौड़गढ़ यूनिट -, टेक्सटाइल और दाल उत्पादन के लिए भीलवाड़ा यूनिट, अजमेर पिकल यूनिट, दरीबा की टेक्सटाइल यूनिट, पेवर ब्लॉक और टेक्सटाइल के लिए देबारी यूनिट आदि सभी राजस्थान में हैं। जबकि उत्तराखंड की रुद्रपुर टेक्सटाइल यूनिट हैं। (कपड़ा)

- राज्य में दो सखी हॉट लांच किए गए। एक चित्तौड़गढ़ में राजस्थान दिवस पर जबकि दूसरा 'अवसर योजना' के तहत उदयपुर एयरपोर्ट पर।

- 55 सखी व्यवसाय हैं।

- 1000 से अधिक गैर कृषि सूक्ष्म उद्योग के महिला सदस्य हैं।

- ई कॉमर्स के लिए-**'उपाय'** वेबसाइट डिजाइन की गई है।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के इस कार्यक्रम का परिणाम या प्रभाव -

- व्यापार में 355 आउटलेटस पर बेचे गए उत्पादों का 85 लाख टर्नओवर हुआ।

- अमेजन प्लेटफार्म के माध्यम से ईकॉमर्स का चिन्हीकरण करण हुआ।-

- सखी महिलाओं की औसत मासिक वेतन 4000 से ₹5000 तक हैं। कुछ सखियां ऐसी हैं, जिन्होंने अपने हुनर को पहचाना और अब वे उत्पादन केंद्रों पर 3000 से ₹25,000 प्रतिमाह कमा रही है।[12]

D सामुदायिक संपत्ति निर्माण

1) ग्रामीण अवसंरचना

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने अपने परिचालन क्षेत्र के समुदायों को बुनियादी या मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्रामीण अवसंरचनागत ढांचे को मजबूत किया है। जिससे सामुदायिक केंद्रों, स्कूल कक्षाओं, सड़कों, शौचालय आदि तक लोगों की पहुंच बढ़ाकर जीवन स्तर को बेहतर बनाया जा सके। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने ग्रामीण अवसंरचना के विकास के तहत 95 गांवों को कवर किया है। और इससे लगभग 1,53,000 से अधिक लोग लाभान्वित हुए हैं।

E स्वास्थ्य, जल और स्वच्छता

1) स्वास्थ्य रखरखाव

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने 'पहला सुख निरोगी काया' कहावत को यथार्थ धरातल पर लागू किया। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने अपने परिचालन क्षेत्र के समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ाया है। इस दिशा में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने 'मोबाइल हेल्थ यूनिट' के माध्यम से निवारक, प्रोत्साहन और उपचारात्मक स्वास्थ्य देखभाल सहित चिकित्सा सुविधाएं घरघर तक पहुंचाई है।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सख्त कदम उठाए हैं-

- निशुल्क टेलीमेडिसिन सेवाएं रविंद्र नाथ टैगोर मेडिकल कॉलेज के साथ औपचारिक समझौता कर प्रदान की हैं। टेलीमेडिसिन सेवाएं राजस्थान के दो क्षेत्र आगूचा और जावर के चिन्हित -54 गांवों में प्रदान की जा रही हैं।

- तीन नए मोबाइल हेल्थ वाहन सेवाएं की शुरुआत की है। एक मोबाइल हेल्थ वाहन सेवा कम से कम (एमएचवीएस) 8 स्थानों को कवर करती हैं।

- हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में 2,621 ओपीडीएस, 9 मेगा हेल्थ कैंप, 277 जागरूकता कैंपों का आयोजन किया। जिससे लगभग 17 हजार से अधिक लाभार्थी लाभान्वित हुए हैं।

- महत्वपूर्ण सम्मेलनों या आयोजनों जैसेविश्व योग दिवस - विश्व स्वास्थ्य दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस और अंतरराष्ट्रीय योगा दिवस पर महत्वपूर्ण गतिविधियों का संचालन कर लोगों में जागरूकता को बढ़ाया है।

- एक ग्रामीण स्वास्थ्य पोस्ट ने 18 हजार से अधिक रोगियों को लाभान्वित किया है।

- हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा 6 अस्पताल संचालित हैं। जिनमें 1 लाख से अधिक उपचार किए गए।

- वित्तीय वर्ष 2021-22 में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के अस्पतालों के ओपीडीएस में 1 लाख से अधिक लोग आए।

- राजस्थान, उत्तराखंड और गुजरात के 8 स्थानों में 196 गांवों को लाभ मिल रहा है।[13]

2) जल

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने स्वच्छ पेयजल तक पहुंच को सुनिश्चित करने के लिए कई पहल की हैं। कोई व्यक्ति प्यासा नहीं रहे, उक्त कथन को हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने राजस्थान के दक्षिण पूर्वी जिलों के समुदाय के लिए सार्थक बनाया है। हिंदुस्तान जिंक के 57 गांवों में 'वर्षा जल संचयन और जल संसाधन विकास' पर आकलन किया गया था। जिनमें से राजसमंद जिले के 3 गांवों को पायलट हस्तक्षेप के लिए चयनित किया गया। जिसमें सिंडेसर खुर्द, माखनपुटिया और अंजना गांवों में 72 हजार CuM से अधिक जल क्षमता भंडारण में वृद्धि हुई है।

- हिंदुस्तान जिंक ने 20 गांवों में ओवरहेड टैंक, खुला कुआं, नहर और पनघट आदि के निर्माण कार्यों के माध्यम से 28 जल अवसंरचना सुदृढ़ीकरण परियोजना क्रियान्वित किए हैं।

- हिंदुस्तान जिंक ने आंवलहेड़ा गांव में 200 बीघा भूमि को बहू फसली सिंचित कृषि भूमि में सामुदायिक लिफ्ट सिंचाई के माध्यम से परिवर्तित किया गया। जिसमें से 50 बीघा बंजर भूमि को कृषि भूमि में परिवर्तित किया गया।

- 52 गांवों में 13 RO और 398 ATMs के माध्यम से पीने योग्य पानी की आपूर्ति की जा रही हैं। जिससे 30 हजार से अधिक ग्रामीणों को लाभ पहुंचा है।

- हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के 39 गांवों में पेयजल की आपूर्ति हैं। यह 2 लाख से अधिक किलो लीटर पानी की आपूर्ति है।

F खेल और संस्कृति

1) जिंक फुटबॉल अकादमी

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने राजस्थान में फुटबॉल खेल में विकास के लिए जमीनी स्तर के साथसाथ उत्कृष्टता प्राप्त करने के - लिए एक व्यापक कार्यक्रम शुरू किया है। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा शुरू इस कार्यक्रम का उद्देश्य जमीनी स्तर से फुटबॉल खिलाड़ियों को तैयार करना और बढ़ावा देना है।

- जिंक फुटबॉल ने राजस्थान स्टेट मेन्स फुटबॉल लीग चैंपियनशिप 2021 और एलिट यूथ कप जीता है।

- धारा-8 इकाईवेदांता जिंक फुटबॉल एंड स्पोर्ट्स फाउंडेशन को जिंक फुटबॉल अकादमी कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए - शामिल किया गया है।

- रिंग फुटबॉल खिलाड़ियों ने जिला स्कूल खेलों में अंडर-17, अंडर-19 दोनों श्रेणियों में उदयपुर का प्रतिनिधित्व करते हुए जीत हासिल की हैं।

- हालांकि हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के स्वयं की फुटबॉल अकादमी हैं, जो जमीनी स्तर पर फुटबॉल के खिलाड़ियों को तैयार करता है।

- खेलो इंडिया में सोनू हाडू ने सर्वश्रेष्ठ एथलीट का पुरस्कार जीता है।

- जावर की अंडर-17 लड़कियों की टीम भारत सरकार की पहल **'खेलो इंडिया'** में खेल रही हैं।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की ग्रामीण खेल पहल में भागीदारी -

- 10 हजार धावकों ने 2.10 लाख किलोमीटर **'रन फॉर जीरो हंगर'** वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन को कवर किया।

- 4200 से अधिक खिलाड़ियों ने राजीव गांधी खेल ओलंपिक ब्लॉक स्तर पर और स्कूल स्तर के टूर्नामेंट में समर्थन किया।

- कपासन और गंगरार ब्लॉक स्तरीय कबड्डी टूर्नामेंट में 2000 से अधिक खिलाड़ियों ने समर्थन किया।

इस प्रकार हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड खेल और संस्कृति के क्षेत्र में विभिन्न सीएसआर गतिविधियों का संचालन करती रहती है। इससे भारत सरकार के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता मिलती है।[14]

3) वेदांता उदयपुर विश्व संगीत समारोह

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा संस्कृति के संरक्षण एवं विकास में विभिन्न पहले की जा रही है। हिंदुस्तान लिमिटेड ने 2023 में वेदांता उदयपुर विश्व संगीत समारोह के छठे संस्करण का आयोजन किया। जिसकी थीमराजस्थान के भूले हुए संगीत वाद्य यंत्रों और परंपराओं का संरक्षण और प्रचार" साथ ही सारंगी को प्रदर्शित करने पर केंद्रित हैं।

तीन दिवसीय कार्यक्रम में 120 से अधिक कलाकारों और 300 से अधिक हितधारकों की भागीदारी देखी गई। संगीत समारोह के अनुरूप हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के 5 परिचालन जिलों में वेदांता टैलेंट हंट का आयोजन किया गया। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की उदयपुर में विभिन्न संस्थानों में तीन कलाकारों की कार्यशाला हैं।

4) संगीत समारोह 'स्मृतियां' का आयोजन

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने 4 मार्च, 2023 को तबला जादूगर पंडित चतुर लाल मेमोरियल सोसायटी के साथ सहभागी के रूप में 'स्मृतियां' का आयोजन किया। जिसका उद्देश्य स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने और कम प्रसिद्ध वाद्य यंत्रों को संरक्षित करना है।

इस कार्यक्रम के तहत एक टैलेंट हंट **'जिंक प्रतिभा टैलेंट हंट'** का आयोजन किया गया।

आईआईएम उदयपुर में एक विशेष व्याख्यान प्रदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया। जहां हिंदुस्तान जिंक के बैनर तले रावण" "हत्था, "सारंगी", "तबला के कलाकारों ने प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत की समृद्ध कला और संस्कृति को बढ़ावा देना था।

G समुदायों में सुरक्षा

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने समुदाय की सुरक्षा को सीएसआर खर्च में स्थान दिया है। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने अपने परिचालन क्षेत्र में समुदाय की सुरक्षा के लिए कई पहले की हैं। जैसे- घर आधारित सुरक्षा, एलपीजी सुरक्षा, विद्युत सुरक्षा, प्राथमिक चिकित्सा, सीमित स्थानों के आसपास की सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, कोविड-19 सुरक्षा उपाय आदि। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने इस सुरक्षा नियमावली का नाम "सुरक्षा मार्गदर्शिका" रखा। और इसका मुख्य उद्देश्य समुदाय में सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देना है। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु समुदायों के भीतर मास्टर ट्रेनर बनाए हैं। यह मास्टर ट्रेनी समुदाय में लोगों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड में 183 मास्टर ट्रेनर विकसित किए हैं। जिन्होंने समुदाय के 9 हजार से अधिक लोगों को प्रशिक्षण प्रदान किया है।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड समय-समय पर कई सुरक्षा सत्रों का आयोजन करता है। जैसे- कुछ पहले, रोको- टोको कैंपेन, नुक्कड़ नाटक और जागरूकता सत्र आदि। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत 6 हजार से अधिक लोग लाभान्वित हुए।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 में निम्न सीएसआर गतिविधियां की गयी है-

- एक नवाचार प्रोजेक्ट की शुरुआत की। जिसमें 12वीं के छात्रों को उनके पाठ्यक्रम के कुछ अवधारणाओं को व्यवहारिक वैज्ञानिक मॉडल के आधार पर सिखाना।

- आंगनवाड़ी बच्चों के लिए शिक्षण और सीखने की सामग्री तैयार किए हैं।

- मासिक धर्म स्वच्छता पर विभिन्न सत्रों का आयोजन किया।

- हिंदुस्तान जिंक के 18 इंजीनियरों व अन्य कर्मचारियों ने शिक्षा संबल प्रोजेक्ट के तहत पांच सरकारी विद्यालयों के 12वीं कक्षा के विज्ञान संकाय के 76 विद्यार्थीयों के साथ हाथ मिलाया।

- सोलर, स्मार्ट विलेज, ऊर्ध्वाधर खेती आदि पर आधारित (खड़ी)12 नवाचार मॉडल तैयार किए।[15]

6. निष्कर्ष (Conclusion):

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सीएसआर कार्यक्रमों का क्रियान्वयन वित्तीय वर्ष 2014-15 से हो रहा है। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सीएसआर कार्यक्रम लोगों के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक विकास में सहभागी बने हैं। पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए हरित उत्पादन को भी बढ़ावा दिया है। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने जहां वित्तीय वर्ष 2014-15 में 59.28 करोड़ रुपए सीएसआर के रूप में खर्च किया। वहीं वित्तीय वर्ष 2021-22 में 173.38 करोड़ रुपए सीएसआर के रूप में खर्च किया। इस प्रकार हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने सन् 2014 से 2022 तक के 8 वित्तीय वर्ष में कुल 913.4 करोड़ रुपए खर्च किया। इस प्रकार हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा समाज के प्रति उत्तरदायित्व को जनकल्याणकारी एवं परोपकारी कार्यों के माध्यम से बखूबी से निभाया जा रहा हैं।

संदर्भ (Reference) :

1 हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड वार्षिक रिपोर्ट 2017-18

2 HZL एकीकृत वार्षिक प्रतिवेदन FY-2022, पेज -72

3 HZL एकीकृत वार्षिक प्रतिवेदन FY-2022, पेज -11

4 डॉ संध्या पठानिया एवं डॉ नीलम बागेश्वरी, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एक भौगोलिक परिदृश्य), क्रेस्ट जरनल (जरनल ऑफ रिसर्च इन एनवायरमेंट एंड अर्थ साइंस), वॉल्यूम-2, इश्यू-4, (2015), पेज- 16-24

5 एकीकृत वार्षिक प्रतिवेदन वित्तीय वर्ष 2022, पेज-126

6 वहीं, पेज-127

7 वहीं, पेज-128

8 https://www.hzlindia.com/csr/csr-programs/education/scholarship-suport

9 वहीं, पेज-129

10 वहीं, पेज-130

11 वहीं, पेज-131

12 वहीं, पेज-132

13 वहीं, पेज-133

14 http://www.hzlindia.com/csr/csr-programs/sport-culture

15 https://www.hzlindia.com/csr/csr-programs/safety-in-communities